डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

# गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 45 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 27 नवम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया


# आरटीओ साहेब की जेब में नियम कायदे..!

## टैक्सी परमिट के बिना सरकारी विभागों में अटैच वाहन, हर साल लाखों की राजस्व हानि

**मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** जिले में अपनी कुर्सी का जबरदस्त फायदा उठा रहे हैं तो वह है जिला परिवहन विभाग के अधिकारी। विभाग के मुखिया की सरकारी गाड़ी का उपयोग डी मार्ट से घर का सामान लाने में हो रहा है। नियम विरुद्ध वाहनों पर कार्रवाई करना तो दूर की बात, खुद ही नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। मामला है बिना टैक्सी परमिट के सरकारी विभागों में अटैच वाहनों का। विभागीय सूत्रों की माने तो परिवहन विभाग में अटैच वाहन ही बिना टैक्सी परमिट के तो हैं ही, वाहन का फिटनेस ही जवाब दे गया है। यही स्थिति जिले में अधिकांश विभागों की है। लेकिन, आरटीओ खुद ही नियमों का पालन नहीं कर रहे तो अन्य जगहों पर उनसे कार्रवाई की उम्मीद रखना बेईमानी होगी।

बता दें कि शासन ने 2014 से सभी विभागों में टैक्सी वाहन लगाने के लिए सख्त निर्देश दिए हैं। इसके बावजूद भी जिला अधिकारियों ने अधिकांश जगहों पर निजी वाहन लगा रखे हैं। जबकि, निजी वाहन किसी कार्यालय में अटैच नहीं हो सकते। कार्यालय में लगाना है तो उसका टैक्सी में पास होना आवश्यक होता है। अधिकारियों एवं वाहन मालिकों की साठगांठ के चलते निजी वाहनों को विभागों के कार्य के लिए लगाया गया है। निजी वाहन आरटीओ, जिला पंचायत, महिला बाल विकास, पुलिस विभाग, आबकारी, जनपद पंचायत, नगर पालिका, राजस्व विभाग, कृषि विभाग सहित अन्य विभाग में लगे हुए हैं। यदि टैक्सी वाहन किसी कार्यालय में लगी है, और उसे अन्य प्रदेश में जाना है तो उसे उस प्रदेश का टैक्स वाहन मालिक को कटवाना होता है। जिला प्रशासन ने निजी गाड़िया लगा रखी हैं। इसलिए उन्हें अन्य प्रदेश में जाने पर टैक्स भी नहीं कटाना पड़ता है।

### रजिस्ट्रेशन-फिटनेस की अलग से लगती फीस...

सरकारी विभागों में टैक्सी पास की जगह पर निजी वाहन अटैच किए हुए हैं। जबकि, नियम से विभाग में लगने वाले चार पहिया वाहन टैक्सी में पास होना अनिवार्य है। नियम की जानकारी सभी जिला अधिकारियों को है। इसके बावजूद शासन के निर्देशों को ताक पर रखकर अधिकारियों ने निजी वाहन कार्यालय के उपयोग के लिए लगा रखे हैं। जिसकी वजह से परिवहन विभाग को हर साल लाखों रुपए राजस्व की हानि हो रही है। जबकि, टैक्सी में पास कराने के लिए लोगों को अधिक टैक्स जमा करना होता है। वहीं रजिस्ट्रेशन एवं फिटनेस की अलग से फीस जमा करनी होती है। निजी में पास कराने पर कम टैक्स लगता है, और आजीवन के लिए कोई झंझट नहीं रहता है।

### एक से डेढ़ हजार रुपए तक जमा करना पड़ता है शुल्क...

यदि चार पहिया वाहन को टैक्सी में पास कराते हैं तो गाड़ी की कीमत से करीब 8 से 9 प्रतिशत टैक्स जमा करना होता है। साथ ही रजिस्ट्रेशन फीस करीब 3 से 4 हजार रुपए, उसके उपरांत हर साल गाडी की फिटनेस करानी होती है। जिसमें करीब एक से डेढ हजार तक शुल्क जमा करना होता है।

## मामला बिना मुंडेर के कुओं से झांक रही मौत का...

## कलेक्टर बदलते ही बदल जाती है प्राथमिकताएं

**मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** जिले में बिना मुंडेर के कुओं को लेकर वैसे तो कई कलेक्टर निर्देश दे चुके हैं। लेकिन कलेक्टर दिलीप कुमार यादव द्वारा सख्ती के बाद कई जगहों पर कुआं मालिकों पर एफआईआर हुई। कलेक्टर बदलते ही प्रशासनिक अधिकारियों ने पलटकर नहीं देखा कि मुंडेर बनी या नहीं। अभी भी जिले में बिना मुंडेर के कुओं से मौत झांक रही है।

### कार्रवाई हुई, मुंडेर नहीं बनी...

पूर्व कलेक्टर शशांक मिश्र ने अभियान चलाकर बिना मुंडेर के 75 कुएं चिन्हित किए थे। इसके बाद कलेक्टर पूर्व कलेक्टर संजीवसिंह ने भी इस दिशा में कदम उठाए और एसडीएम को कार्रवाई के निर्देश दिए। एक हादसे के बाद पूर्व कलेक्टर मनोज पुष्प ने भी कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। लेकिन, अधिकारियों ने निर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया। दस माह पहले कलेक्टर दिलीप कुमार यादव की सख्ती का असर दिखा। थानों में एक दर्जन से ज्यादा कुआ मालिकों के खिलाफ धारा 188 के तहत एफआईआर भी हुई। लेकिन, एफआईआर कराने के बाद पिछे मुड़कर अधिकारियों ने नहीं देखा कि कुओं की मुंडेर बनी है या नहीं।

### आंकड़ों में 94, हकीकत में 400, अब कितने पता नहीं...

जिले में बिना मुंडेर वाले कुओं से होने वाली दुर्घटनाएं रोकने के लिए प्रशासन कितना गंभीर है, यह इसी से पता चलता है कि कुछ साल पहले सर्वे में जिले में कई खतरनाक कुओं को चिन्हित करने के बाद भी कुछ नहीं हो सका है। खेतों की ओर जाती पगडंडियों, राजमार्गों सहित जिले के कई मार्गों के आसपास बिना मुंडेर के कुओं की वजह से कई लोगों की मौत हो चुकी है। 16 नवंबर 2016 को ग्राम देवरी में बिना मुंडेर के कुएं में कार गिरने से तीन लोगों की जान गई तो अधिकारी हरकत में आए और सर्वे कराया। 94 बिना मुंडेर वाले कुएं चिन्हित किए। हालांकि यह संख्या हकीकत में चार सौ से अधिक है। अब कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देशों के बाद एफआईआर तो हुई, लेकिन यह आंकडा किसी के पास नहीं है कि बिना मुंडेर के कुएं अब कितने बचे हैं?

## प्रदेश में रात का तापमान 6 डिग्री से नीचे गिरा ...

# दिसंबर में पड़ेगी कड़ाके की ठंड

**मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** मध्यप्रदेश में रात का टेम्प्रेचर 6 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। उज्जैन में सोमवार रात पारा एक डिग्री गिरकर 11.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। एक दिन ये 12.2 डिग्री था। इंदौर में पिछले 24 घंटों से ठंड ने असर दिखाना शुरू किया। सोमवार को दिन का तापमान 27.5 डिग्री और रात का तापमान 1 डिग्री लुढ़ककर 12.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। सुबह विजिबिलिटी 1200 मीटर थी और मौसम साफ रहा।

प्रदेश में सबसे कम तापमान हिल स्टेशन पचमढ़ी में पारा 5.6 डिग्री रहा। भोपाल, जबलपुर समेत 10 शहरों में रात का तापमान 10 डिग्री से कम है। मौसम विभाग भोपाल की वैज्ञानिक शिल्पा आप्टे ने बताया कि अगले 3 से 4 दिन तक कड़ाके की ठंड के आसार नहीं हैं। दिसंबर में मौसम बदलेगा और तेज सर्दी पडेगी। आप्टे ने कहा कि उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर खत्म गया है। इस वजह से ग्वालियर-चंबल में बारिश होने के आसार नहीं हैं। उत्तरी हवाओं की रफ्तार भी कम है। इस वजह से अगले 3 से 4 दिन तक ठंड का असर कम होगा। यानी नवंबर के आखिरी दिनों में कड़ाके की ठंड नहीं रहेगी।

मौसम विभाग के अनुसार, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बर्फबारी के कारण मध्यप्रदेश में ठंड का असर बढा है। अब हिमाचल प्रदेश में भी बर्फ गिर रही है। ऐसे में हवा की रफ्तार बढ़ने का अनुमान है। ऐसा होता है तो दिसंबर के पहले सप्ताह से ही मध्यप्रदेश में कड़ाके की ठंड का दौर शुरू हो जाएगा, जो पूरे महीने बना रहेगा।

## कार चालक ने बाइक को मारी टक्कर, दो की मौत

**मनासा, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** रामपुरा थाना क्षेत्र के खिमला प्लांट और बेसला गांव के बीच सोमवार रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ। एक तेज रफ्तार कार चालक ने लापरवाही से वाहन चलाकर बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। घटना के समय इको कार (आरजे 17 सीबी 4715) रामपुरा से बेसला की ओर जा रही थी। इसी दौरान कार चालक ने लापरवाही से गाडी चलाते हुए सामने से आ रहे बाइक सवारों को टक्कर मार दी।

दुर्घटना इतनी भीषण थी कि बाइक सवार राधेश्याम पिता रामलाल मीणा निवासी रावत नगर, बेसला की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरे बाइक सवार शंकरलाल पिता बंशीलाल भील निवासी बेसला गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर रामपुरा थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक और घायल को शासकीय चिकित्सालय रामपुरा भिजवाया। उपचार के दौरान शंकरलाल ने भी दम तोड़ दिया। रामपुरा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दोनों मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम मंगलवार को परिजनों और पुलिस की मौजूदगी में किया गया।

# राजस्थान से मंदसौर के रास्ते तस्करी का खेल?

## शोएब लाला के गांव भी पहुंचेगी टीम

**मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** भोपाल की बंद फैक्ट्री में पकड़े गए 1814 करोड़ के एमडी (मेफेड्रोन) ड्रग्स मामले में फरार आरोपी शोएब लाला के गांव देवल्दी का कनेक्शन लगातार भोपाल से जुड़ रहा है। रविवार को 30 लाख की ब्राउन शुगर के साथ पकड़े गए आरोपी फराज खान को नारकोटिक्स इंदौर ने कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उसे पांच दिन की पुलिस रिमांड पर दिया है। पूछताछ में तस्कर ने कई बड़े खुलासे किए हैं। इसमें तस्करी के लिए मंदसौर-रतलाम रुट का उपयोग भी सामने आया है। इसके अलावा नया रास्ता राजगढ भी तस्करी के लिए उपयोग होने की बात सामने आई है।

तस्करी के तरीको पर नजर रखने वालो की माने तो दो रास्तों के जरिए ड्रग्स भोपाल पहुंच रहा है। नया रास्ता राजगढ का है। वह इसी रास्ते से ड्रग्स लेकर भोपाल आया था। आरोपी ने एक युवक का नाम लिया है। इसी के माध्यम से ब्राउन शुगर की डिलीवरी होना थी। नारकोटिक्स इस संदिग्ध की तलाश में लग गई है। टीम इसकी भी तस्दीक कर रही है, जो नाम बताया गया है। वो सही है या टीम को उलझाने के मकसद से नाम लिया है। पांच दिन की पुलिस रिमांड के दौरान कई बड़े राज खुलने की संभावना है।

### ड्रग्स लाने का रूट ट्रेस करेगी टीम...

नारकोटिक्स विंग ड्रग्स लाने वाला रूट ट्रेस करेगी। तस्कर प्रतापगढ से राजगढ होकर किस रास्ते से भोपाल आते हैं। यह पता लगाया जा रहा है। रूट ट्रेस होने पर कई और तस्कर विंग की पकड में आ सकते हैं। तस्कर ने दूसरा रूट मंदसौर, रतलाम, इंदौर का बताया है। इस रास्ते से पहले भी तस्कर ड्रग्स लाते रहे हैं।

### नारकोटिक्स की एक टीम ने देवल्दी में दी आमद...

तस्कर फराज खान का पूरा रिकॉर्ड खंगालने नारकोटिक्स की एक टीम देवल्दी पहुंची। यह तस्कर कभी शोएब लाला के संपर्क में रहा है या नहीं, टीम यह भी पता करेगी। उसे ड्रग्स कहां से मिल रहा था। उन सरगना का पता लगाया जा रहा है। राजस्थान के प्रतापगढ में देवल्दी और अखेपुर तस्करों का गढ़ कहा जाता है।

### माल बताते मंदसौर-नीमच का...

मणिपुर के इम्फाल, अरुणाचल प्रदेश, झारखंड जैसे राज्यों से अफीम की तस्करी मंदसौर- नीमच के रास्ते हो रही है। सबसे महत्वपूर्ण की मंदसौर - नीमच का रुट ही इस्तेमाल नहीं किया जा रहा, बल्कि अफीम भी मंदसौर-नीमच की बताई जाती है। जिसे राजस्थान और पंजाब ले जाया जाता है। इसका कारण है कि इम्फाल, अरुणाचल प्रदेश, झारखंड जैसे राज्यों की अफीम में मार्फिन कम होता है। जबकि, मंदसौर- नीमच और आसपास के क्षेत्र की अफीम एक दम टंच माल होती है।

# खुद पर डाला पेट्रोल, कलेक्टोरेट में आत्मदाह की कोशिश

## आरोप- 181 पर शिकायत के बावजूद लगवाए जा रहे चक्कर

**रतलाम, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। रतलाम में राशन कार्ड नहीं बनने से नाराज एक व्यक्ति ने मंगलवार दोपहर कलेक्ट्रेट में पेट्रोल डालकर आग लगाने की कोशिश की। समय रहते मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसे देख लिया और बचा लिया। परेशान व्यक्ति ने अधिकारियों पर चक्कर लगवाकर परेशान करने का आरोप लगाया है।**

जानकारी के अनुसार, शहर के दिलीप नगर में रहने वाले मनोज काश्पय ने आत्महत्या का प्रयास किया। मनोज ने राशन कार्ड नहीं बनने पर 181 पर शिकायत की थी। आज उसे संबंधित विभाग में बुलाया था। लेकिन, जब वह संबंधित बाबुओं के पास पहुंचा तो सही जवाब नहीं मिला। उसे जाने का बोल दिया। इसी बात से नाराज एसडीएम कोर्ट ऑफिस के सामने खुद पर पेट्रोल छिड़क लिया। माचिस की तिली जलाते देख मौजूद पुलिसकर्मियों व लोगों ने उसे पकड़ लिया। बाद में एसडीएम अनिल भाना आए और संबंधित से चर्चा की।

### आवेदन खारीज हो चुका...

एसडीएम अनिल भाना ने बताया कि संबंधित का आवेदन पत्र फरवरी माह में आया था। मेरे यहां आने के पहले ही इनका आवेदन दो बार खारिज हो चुका है। यह यूपी के रहने वाले हैं। बीपीएल व एपीएल राशन कार्ड बनने के लिए बाध्यता लगी है। हम तो जनसुनवाई में बैठे थे। मालूम पड़ने पर संबंधित से जानकारी ली। आत्महत्या की कोशिश की है। वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

## कार के आगे आया रोजड़ा, रामपुरा नप अध्यक्ष घायल

**पिपलियामंडी, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** कार के आगे रोजड़ा आने से रामपुरा नगर परिषद् अध्यक्ष व उनका ड्राइवर घायल हो गए। जानकारी के अनुसार हादसा शाम 6.30 बजे करीब पिपलिया-मनासा मार्ग पर हुआ। नप अध्यक्ष सीमा (42) पति जितेन्द्र जागीरदार को लेकर ड्राइवर श्यामलाल धनगर (30) कार से लेकर पिपलियामंडी की ओर आ रहे थे, जिन्हें किसी कार्यक्रम में मंदसौर जान था। कार में एक बालिका भी सवार थी। गुडभेली बडी से आगे राधास्वामी सत्संग के निकट अचानक सडक पर आया रोजड़ा कार से टकरा गया। इससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई व कार में सवार अध्यक्ष को मूह व गर्दन पर व ड्राइवर को भी मामूली चोंटे आई, जिनका यहां निजी अस्पताल में उपचार कराया।

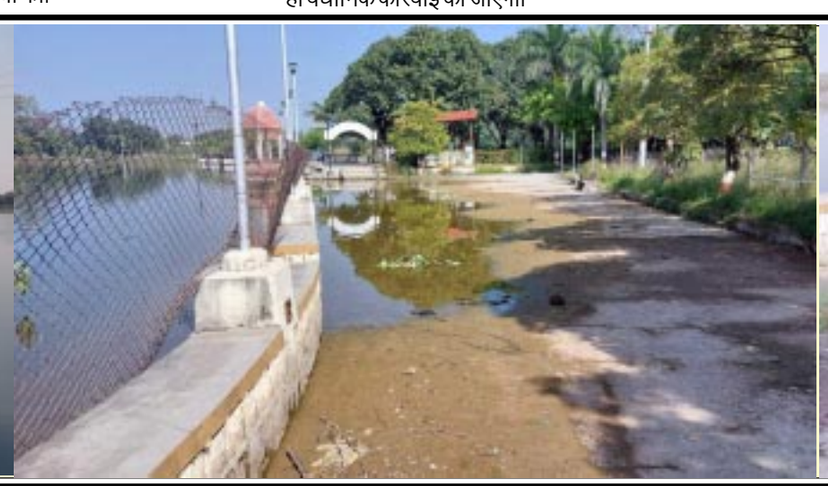

### लापरवाही

मंदसौर शहर के एक मात्र पिकनिक स्पॉट तेलिया तालाब परिसर में बारिश का पानी भरा था, जो अब वह खाली हो गया है। किंतु अभी भी वहां साफ सफाई का अभाव देखा जा रहा है।

## विचार-मंथन

# सुर्खियां बटोरने के लिए यूपी के महिला आयोग का पैंतरा

*महिला आयोग ने कभी इस पर विचार नहीं किया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराधों (जैसे बलात्कार, हत्या, अपहरण, बलात्कार के बाद हत्या और सामूहिक बलात्कार) की कुल संख्या में उत्तर प्रदेश देश में सबसे ऊपर रहा। इसमें 65,743 ऐसे मामले दर्ज किए गए। महिलाओं की सुरक्षा के नाम पर 2017 में जब योगी आदित्यनाथ ने राज्य की बागडोर संभाली थी, तो उन्होंने महिलाओं के सार्वजनिक उत्पीड़न को रोकने के लिए एंटी-रोमियो स्क्वॉड का गठन किया था। बाद में उनकी सरकार ने महिलाओं को सशक्त बनाने और उनकी सुरक्षा के नाम पर गैरकानूनी धर्म परिवर्तन निषेध अधिनियम, 2021 बनाया, जिसे लव-जेहाद विरोधी कानून के रूप में जाना जाता है।*

आयोग की इस सिफारिश को अब शासन से मंजूरी मिलने का इंतजार है। आयोग के इस प्रस्ताव में प्रदेश में कानून-व्यवस्था की मौजूदा हालत जिक्र नहीं है। आयोग ने यह भी नहीं बताया कि सिफारिश में किए गए प्रावधान ही क्या महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों के लिए जिम्मेदार है। देश के संवैधानिक आयोग नखदंतविहीन हैं। ऐसे में भी आयोग के कर्ताधर्ता नेताओं की तरह व्यवहार करके आयोग की गरिमा को कम करने के साथ ही उपहास का पात्र बनते हैं। उत्तर प्रदेश के राज्य महिला आयोग ने इसी तरह का कृत्य करके अपनी महत्ता को कम करने का काम किया है। आयोग ने योगी सरकार को एक सिफारिश की। इसमें प्रदेश में पुरुष टेलर द्वारा महिलाओं के कपड़ों के माप लेने पर रोक लगाने, कोचिंग सेंटरों में सीसीटीवी कैमरे, जिम में महिला ट्रेनर लगाने का जिक्र किया गया है। महिलाओं की सुरक्षा को देखते हुए आयोग ने यह प्रस्ताव भेजा है। आयोग का यह कृत्य दर्शाता है कि आयोग मूल उद्देश्य से भटक कर राजनीतिक पैंतरेबाजी करने में जुटा है। आयोग को उत्तर प्रदेश में महिलाओं के साथ होने वाले अपराध, आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति में सुधार करने से कोई सरोकार नहीं है। आयोग की इस सिफारिश को अब शासन से मंजूरी मिलने का इंतजार है। आयोग के इस प्रस्ताव में प्रदेश में कानून-व्यवस्था की मौजूदा हालत जिक्र नहीं है। आयोग ने यह भी नहीं बताया कि सिफारिश में किए गए प्रावधान ही क्या महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों के लिए जिम्मेदार हैं। आयोग ने अपराधों के बाद पुलिस कार्रवाई के तौर-तरीकों पर एक लाइन भी नहीं कही। बालिकाओं के शैक्षणिक स्थलों के पास छेड़छाड़ की घटनाएं रोकने के लिए महिला पुलिसकर्मियों की स्थायी तैनाती पर आयोग चुप रहा। महिला आयोग ने यह भी नहीं बताया कि प्रदेश में इतनी संख्या में प्रशिक्षित महिलाएं का इंतजाम कैसा होगा। क्या सरकार इसके लिए महिलाओं के प्रशिक्षण का इंतजाम करने में सक्षम है। प्रशिक्षण के बाद स्वरोजगार के लिए महिलाओं को ऋण और स्थान इत्यादि की व्यवस्था कैसे होगी, इस पर आयोग की सिफारिश में कोई जिक्र नहीं है। महिलाओं की सुरक्षा की चिंता करने वाला उत्तर प्रदेश का महिला आयोग यह भूल गया कि प्रदेश की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था चरमराई हुई है। यात्रियों से ठसाठस भरे वाहनों में महिलाओं को बेहद मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। महिलाओं के लिए प्रदेश में अलग से परिवहन की व्यवस्था नहीं है। आरक्षित सीटों पर भी महिलाओं को भारी मशक्कत करनी पड़ती है। सार्वजनिक परिवहन में महिलाओं से छेड़छाड़ की बात आम है। महिला हितों की पैरवी करने वाले महिला आयोग की निगाह यहां तक नहीं पहुंची। इसी तरह महिलाओं की बीमारियों से और प्रसूती की हालत से निपटने के लिए पर्याप्त चिकित्सकों और अस्पतालों की व्यवस्था नहीं है।आयोग ने पुलिस थानों में महिलाओं की पर्याप्त संख्या और महिला पुलिस थानों की जरूरत पर जोर नहीं दिया। महिलाओं के लिए आज भी पुलिस थानों में जाकर शिकायत दर्ज कराना आसान नहीं है। पुलिसकर्मी पीड़ित महिलाओं से किस तरह का व्यवहार करते हैं, यह किसी से छिपा हुआ नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं कि उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने माफिया और गैंगस्टरों को धूल चटाने में कसर बाकी नहीं रखी। प्रदेश से लगभग सभी बड़े माफिया और गैंगस्टर या तो मारे जा चुके हैं या फिर जेलों में बंद हैं। इसके बावजूद यह नहीं कहा जा सकता कि आम लोगों के लिए पुलिस की कार्यप्रणाली में सुधार हुआ है। पुलिस में भ्रष्टाचार और भेदभाव की घटनाएं आम हैं। आयोग ने इन तमाम मुद्दों को नजरंदाज कर दिया। आश्चर्य की बात यह है कि व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और दुकानों में महिलाओं की नियुक्ति की पैरवी करने वाला आयोग राज्य में महिलाओं के साथ हुए अपराधों पर सक्रिय कार्रवाई नहीं कर सका। हाथरस और उन्नाव कांड इसका उदाहरण है। ऐसे अपराधों को रोकने के लिए आयोग ने कोई भूमिका नहीं निभाई। 14 सितंबर, 2020 को हाथरस में एक दलित युवती के साथ चार पुरुषों ने सामूहिक बलात्कार किया। इसी तरह 4 जून, 2017 को उन्नाव में 17 साल की लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार हुआ। इसमें लड़की की मौत हो गई। ऐसे मुद्दों पर आयोग कोई ठोस सुझाव राज्य सरकार को नहीं दे सका। भारत में बाल मजदूरों का सबसे ज्यादा संख्या 5 राज्यों में है। सबसे ज्यादा बाल मजदूर उत्तर प्रदेश और बिहार से हैं। उत्तर प्रदेश में 21.5 फीसदी यानी 21.80 लाख और बिहार में 10.7 फीसदी यानी 10.9 लाख बाल मजदूर हैं। उत्तर प्रदेश में बाल मजदूरों की संख्या 21.7 लाख है। यह यूपी की कुल आबादी का 21 फीसदी है। हालांकि यह मुद्दा सीधा महिला आयोग के तहत नहीं आता, फिर कोई महिला अपने कलेजे के टुकड़े से मजदूरी कैसे करवा सकती है।

# भारत में शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटने में पीएचडी छात्रों की भूमिका अहम

**मिलिंद कुमार शर्मा**



उदाहरण के लिए, ऊर्जा कंपनियों या पर्यावरण मंत्रालयों के परामर्श से नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों पर काम करने वाले पीएचडी छात्र जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा दक्षता और स्थिरता से संबंधित चिंताओं को समाधान ढूंढ कर रहे हैं - ऐसे मुद्दे जिनका राष्ट्रीय और वैश्विक नीति पर गहरा प्रभाव पड़ता है. इस तरह के शोध अकादमिक खालीपन में मौजूद नहीं हैं, बल्कि नीति विकास, तकनीकी उन्नति और सामाजिक कल्याण में योगदान करते हुए बड़े उद्देश्य को पूरा करते हैं. समाज पर इस तरह का ठोस प्रभाव डालने का अवसर शोध कार्य को उद्देश्य की भावना से भर देता है. इसके अलावा, जब शोध छात्र उद्योग या सरकारी निकायों के साथ काम करते हैं, तो उन्हें व्यावहारिक ज्ञान का अमूल्य अनुभव प्राप्त होता है, जो उनके कौशल को बढ़ाता है और उन्हें पेशेवर दुनिया की जटिलताओं के लिए तैयार करता है, जो आमतौर पर अकादमिक दुनिया से काफी अलग होती हैं. यह बहुविषयक सहयोग इस बात की गहरी समझ को बढ़ावा देता है कि सैद्धांतिक अवधारणाओं को दबाव वाले मुद्दों और चुनौतियों को हल करने के लिए कैसे लागू किया जा सकता है. उदाहरण के लिए, एक तकनीकी कंपनी के साथ मिलकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर शोध करने वाला छात्र न केवल मशीन लर्निंग के सैद्धांतिक पहलुओं में गहराई से उतर सकता है, बल्कि स्वायत्त वाहनों, जलवायु परिवर्तन, अपशिष्ट प्रबंधन, स्मार्ट हेल्थकेयर सिस्टम आदि के लिए वास्तविक दुनिया के एआई अनुप्रयोगों के विकास में भी योगदान दे सकता है. इस तरह के व्यावहारिक अनुभव सिद्धांत और व्यवहार के बीच की खाई को पाटते हैं, जिससे छात्रों को हस्तांतरणीय कौशल का सेट प्राप्त करने का अवसर मिलता है, जिनकी शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक दोनों क्षेत्रों में अत्यधिक मांग है. इसके अलावा, एकेडमिक फंडिंग को व्यावहारिक समाधानों में अनुवाद करने की प्रक्रिया में अक्सर संचार कौशल की आवश्यकता होती है जो नीति निर्माताओं, बिजनेस लीडर्स और जनता सहित बड़े पैमाने पर लोगों के अनुकूल हों. यह एक छात्र की जटिल विचारों को आसान शब्दों में संप्रेषित करने की क्षमता को निखारता है, एक ऐसा कौशल जो तेजी से अंतर्विषयक और परस्पर जुड़ी दुनिया में अमूल्य है. इन बौद्धिक और व्यावसायिक लाभों के अलावा, उद्योग या मंत्रालयों के साथ सहयोग भी महत्वपूर्ण भौतिक लाभ प्रदान करता है. बाहरी हितधारकों द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान अक्सर वित्तीय सहायता, बुनियादी ढांचे और डेटा सहित संसाधनों तक बढ़ी हुई पहुंच के साथ आता है. उदाहरण के लिए, अस्पताल नेटवर्क या दवा कंपनी के साथ साझेदारी में हेल्थकेयर इनोवेशन पर काम करने वाले पीएचडी छात्र को क्लिनिकल ट्रायल डेटा या अत्याधुनिक प्रयोगशाला सुविधाओं तक पहुंच मिल सकती है जो अकादमिक संदर्भ में उपलब्ध नहीं होते हैं. इससे न केवल शोध की गुणवत्ता बढ़ती है, बल्कि नई खोजों के लिए रास्ते भी खुलते हैं, जो पारंपरिक एकेडमिक फंडिंग के सीमित दायरे में संभव नहीं हो सकते थे. इसके अलावा, बाहरी फंडिंग पीएचडी शोध के साथ अक्सर होने वाले वित्तीय दबावों को कम कर सकती है, जिससे छात्रों को व्यक्तिगत या संस्थागत बजट की बाधाओं के बिना अपनी परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने की स्वतंत्रता मिलती है. शायद उद्योग या सरकार के साथ सहयोग के लिए सबसे सम्मोहक तर्कों में से एक यह है कि इसका छात्र के पेशेवर करियर पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है. पीएचडी छात्र जो उद्योग या मंत्रालय द्वारा प्रायोजित शोध में शामिल होते हैं, वे अक्सर नौकरी के बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त के साथ अपने अध्ययन से बाहर निकलते हैं. उनके शोध की व्यावहारिक प्रकृति, सहयोग के माध्यम से उनके द्वारा विकसित पेशेवर नेटवर्क के साथ मिलकर, उन्हें संभावित नियोक्ताओं के लिए अत्यधिक आकर्षक बनाती है. उदाहरण के लिए, एक सरकारी रक्षा एजेंसी के साथ साइबर सुरक्षा अनुसंधान में शामिल एक छात्र न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का समाधान करने वाला शोध करेगा, बल्कि रक्षा उद्योग में प्रमुख हितधारकों के साथ संबंध भी बनाएगा. इस तरह के संबंध स्नातक होने पर आकर्षक नौकरी की पेशकश या परामर्श के अवसरों में तब्दील हो सकते हैं. इसके अतिरिक्त, जो छात्र उद्योग या सरकार विभागों के साथ मिलकर काम करते हैं, वे खुद को नीति को आकार देने, बाजार के रुझान को प्रभावित करने या यहां तक कि अपने स्वयं के उद्यम शुरू करने की स्थिति में पा सकते हैं. उद्योग-अकादमिक सहयोग के लाभ व्यापक अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र तक भी फैले हुए हैं. सहयोगी परियोजनाओं के परिणामस्वरूप अक्सर संयुक्त प्रकाशन, पेटेंट या नवीन तकनीकों का विकास होता है, जो अकादमिक छात्रवृत्ति और वाणिज्यिक प्रथाओं दोनों पर स्थायी प्रभाव डाल सकते हैं. उदाहरण के लिए, कोविड-19 महामारी के दौरान वैक्सीन के विकास में अकादमिक शोधकर्ताओं और दवा कंपनियों के बीच साझेदारी ने वैज्ञानिक समझ को तेजी से आगे बढ़ाने और जीवन रक्षक दवाओं का उत्पादन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. ये सहयोग न केवल ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाते हैं, बल्कि यह भी सुनिश्चित करते हैं कि शोध के परिणाम व्यापक लोगों तक पहुंचें, जिससे उनका सामाजिक मूल्य अधिकतम हो. इसके अलावा, ये साझेदारी शिक्षा जगत और उद्योग के बीच ज्ञान हस्तांतरण की संस्कृति को बढ़ावा देने में मदद करती है. जब अकादमिक शोध निजी क्षेत्र या सरकार की रणनीतिक आवश्यकताओं के साथ संबद्ध होता है, तो इस बात की अधिक संभावना होती है कि शोध के परिणामों को व्यावसायिक उत्पादों, नीतियों या सेवाओं में तब्दील किया जाएगा. इस तरह के परिणाम शिक्षा जगत और उद्योग के बीच मजबूत संबंध बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करते हैं - ऐसे संबंध जो सुनिश्चित करते हैं कि अत्याधुनिक शोध अकादमिक पत्रिकाओं तक ही सीमित न रहे, बल्कि वास्तविक दुनिया में लागू हो. इसलिए, उद्योग, सरकारी विभागों या मंत्रालयों के परामर्श से शोध विषयों या समस्याओं को चुनने वाले पीएचडी छात्रों के लाभ दूरगामी और बहुआयामी दोनों हैं. न केवल इस तरह का सहयोग सुनिश्चित करता है कि अकादमिक शोध सामाजिक आवश्यकताओं को संबोधित करता है, बल्कि यह छात्रों को कई तरह के कौशल से भी लैस करता है जो उनके करियर की संभावनाओं और पेशेवर विकास को बढ़ाता है. अंततः, ये सहयोग शोध के लिए एक मॉडल पेश करते हैं जो अनुशासनात्मक सीमाओं को पार करता है, नवाचार को बढ़ावा देता है, और समाज की बेहतरी में योगदान देता है. कौन जानता है।

# धर्म के पर्दे के पीछे छिपे लुटेरे...

**मंगत राम पासला**



अब आर.एस.एस.,भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित संघ परिवार के सभी संगठनों ने यू.पी. के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नारे 'बटेंगे तो कटेंगे' को अपनाकर यह साबित कर दिया है कि वे इस देश की धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और संघीय धारा को मिटा कर धर्म आधारित गैर-लोकतांत्रिक व्यवस्था कायम करना चाहते हैं। इस नारे पर मुहर लगाकर आर.एस.एस. ने भी स्पष्ट कर दिया है कि 'पूरा समाज एक परिवार की तरह है' वाला उनका नारा झूठे प्रचार तक ही सीमित है। वास्तविकता यह है कि वे गैर-हिंदू समुदाय को इस परिवार का हिस्सा नहीं मानते हैं। इससे यह भी पता चलता है कि संघ और भाजपा नेता सत्ता से चिपके रहने के लिए किसी भी स्तर तक गिर सकते हैं क्योंकि 'सबका साथ-सब का विकास' का नारा, जो 2014 के चुनावों में प्रचारित किया गया था उसे अब खत्म कर दिया गया है। यह नेता सभी लोगों को एक समान मानने का झूठा दावा करते हैं। मुसलमानों और ईसाइयों के खिलाफ हर तरह के अत्याचार, झूठे प्रचार और हत्या जैसे जघन्य अपराध अब एक आम घटना बन गए हैं। अल्पसंख्यक समुदाय के बारे में 'लव जेहाद', 'धर्मांतरण' और हिंदू त्यौहारों के दौरान हिंसा की झूठी कहानियां गढ़ी जाती हैं। जिस तरह से 'संघ' ने अपने 100 साल के गहन प्रचार से हिंदू धर्म से जुड़े लोगों के एक वर्ग को सांप्रदायिक रंग में रंग दिया है, उसके प्रभाव में वे बिना किसी डर के दूसरे धर्म के लोगों का नरसंहार भी कर सकते हैं। जिस तरह से दक्षिणपंथी हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता अवैध मस्जिदों के निर्माण को लेकर हंगामा कर रहे हैं, वह भी बेहद चिंताजनक है। आर.एस.एस. द्वारा 'बटेंगे तो कटेंगे' जैसे सांप्रदायिक और विभाजनकारी नारे ऐसे समय में लगाए जा रहे हैं जब हिंदू समाज का एक बड़ा वर्ग 'हिंदू धर्म' की महान मानवीय विरासत की रक्षा करते हुए संघ की सांप्रदायिक विचारधारा के पूरी तरह से खिलाफ है। वह जानता है कि 'धर्म' कभी भी न्यायपूर्ण संघर्ष का आधार नहीं हो सकता। दलित, आदिवासी और पिछड़ा समुदाय, जिन्हें शासकों के हाथों तथाकथित 'चंद' उच्च जाति के तत्वों द्वारा सदियों से हेय दृष्टि से देखा जाता रहा है, अब अपने आत्म-सम्मान और समानता की बहाली के प्रति जागरूक हैं। मौलिक अधिकार और संघर्ष शुरू कर रहे हैं । इन वर्गों को मनुवादी व्यवस्था में गुलाम बनाए रखने के लिए ही उपरोक्त नारे का आविष्कार किया गया है। सच्ची पुकार यह है कि यदि हम अत्याचारी दल से नहीं लड़ेंगे तो मर जाएंगे। लेकिन यहां तो उत्पीड़कों को जालिम का डर दिखाकर शांत रहने को कहा जा रहा है। आर.एस.एस. अपने सनातनी दर्शन के तहत हिंदू समाज को जो नारा देता है, वह सामाजिक उत्पीड़न को चुपचाप सहने और मुंह न खोलने का संदेश है। यहां तक कि सबसे आधुनिक 'सिख धर्म' में भी 'महापुरुषों', 'संतों', 'ब्रह्म ज्ञानियों' जैसे नामों की कोई कमी नहीं रही, जो लोगों को सिख गुरुओं और भक्ति लहर के महान विचारकों द्वारा रचित गुरबाणी के सच्चे उपासक बनने के बजाय और अधिक अंध विश्वासी और कर्मकांडी बनाने में लगे हुए हैं। श्री गुरु ग्रंथ साहिब की शिक्षाओं के विपरीत इन बहरूपियों द्वारा चमत्कारों, मूर्ति एवं व्यक्तिगत पूजा का खुलेआम प्रचार किया जाता है। यही चरित्र ईसाई धर्म से संबंधित 'पादरियों' का भी है, जो भोले-भाले गरीब ईसाइयों से 'प्रार्थना' के माध्यम से सभी सांसारिक कष्टों और पीड़ाओं से छुटकारा दिलाने का झूठ बोलकर हर तरह की मौज-मस्ती करते हैं। यदि प्रार्थना से सभी कष्टों का निवारण संभव होता, तो ईसाई बहुल आबादी वाले विकसित पश्चिमी देशों में आधुनिक अस्पताल खोलने की क्या आवश्यकता थी? हर क्षेत्र में नई वैज्ञानिक खोजों के दौर में जागरूकता की कमी के कारण आज भी बड़ी संख्या में लोग अंधविश्वास में फंसे हुए हैं। अंधविश्वासों का यह जाल मेहनतकश जनता के लिए शत्रु शक्तियों द्वारा बिछाया गया जाल है। 'स्वयं-भू धार्मिक गुरु' लोगों को वैज्ञानिक एवं तर्कसंगत विचारधारा को पढ़ने, समझने और व्यवहार में लाने से दूर रखना चाहते हैं, क्योंकि उनका व्यवसाय आम लोगों की इसी अज्ञानता पर आधारित है। जब हमने बड़ी मेहनत से पुराने विचारों और रीति-रिवाजों को त्याग दिया है, तो ये 'स्वयंभू धार्मिक गुरु' उसी शक्ति से हमें फिर से उसी बीमारी में फंसाने की कोशिश कर रहे हैं।

# क्या योगी आदित्यनाथ से पिछड़ गए हिमंत, शाह की रणनीति भी बीजेपी को झारखंड क्यों जिता नहीं पाई?

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और झारखंड में सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने जान लड़ा दी थी। दोनों ही फायर ब्रांड नेताओं ने जमकर रैलियां की और वोटों के ध्रुवीकरण करने की कोशिश की। महाराष्ट्र में तो योगी की मेहनत रंग लाई, मगर झारखंड में हिमंत का जादू नहीं चल पाया। यहां अमित शाह की रणनीति भी काम नहीं कर पाई। महाराष्ट्र और झारखंड में बीजेपी ने लड़ाई ध्रुवीकरण के आधार पर लड़ी, मगर जहां झारखंड चुनाव की कमान असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने संभाल रखी थी। वहीं, महाराष्ट्र चुनाव यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भरोसे लड़ा जा रहा था। चुनावी नतीजों में जहां योगी का बंटेंगे तो कटेंगे का नारा हिट रहा। महायुति ने चुनावी परिणामों के रुझानों में 288 में से 225 से ज्यादा सीटें हासिल करती दिख रही है। वहीं हिमंत ने झारखंड में झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन पर घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया और दावा किया कि यह चुनाव अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने और हिंदुओं की रक्षा के लिए लड़ा जाएगा। झारखंड में गृह मंत्री और भाजपा के रणनीतिकार अमित शाह ने भी पूरा जोर लगा रखा था। इसके बाद भी भाजपा गठबंधन 24 सीटों पर सिमटती नजर आ रही है। हिमंत ने कहा था-मंगलवार को हनुमान चालीसा पढ़ने के लिए मिले छुट्टी असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने झारखंड विधानसभा चुनाव में कई रैलियों को संबोधित किया था। झारखंड के चुनावी रैलियों में उन्होंने कहा था कि जिस तरह से शुक्रवार के दिन मुसलमान को नमाज पढ़ने के लिए स्कूलों में छुट्टी दी जाती है, वैसे ही मंगलवार को हनुमान चालीसा पढ़ने के लिए हिंदुओं को छुट्टी दी जानी चाहिए। हिमंत ने राहुल पर किया था जाति को लेकर हमला हिमंत बिस्वा सरमा ने हाल ही में कहा था कि घुसपैठ रोकना केवल केंद्र सरकार की नहीं, बल्कि सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए यह 'फॉर्मूला' भी जानना चाहा कि 'अपनी जाति बताए बिना जाति सर्वेक्षण कैसे किया जाए।' संथाल परगना घुसपैठ से सबसे ज्यादा प्रभावित भाजपा के झारखंड चुनाव सह-प्रभारी सरमा ने एक रैली में कहा था कि झारखंड का संथाल परगना घुसपैठ से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। पिछले 20 वर्षों में इस क्षेत्र के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में घुसपैठियों की आबादी 50-60 प्रतिशत बढ़ गई है और स्थिति असम जैसी हो सकती है। कैसे योगी आदित्यनाथ के एक नारे से महाराष्ट्र में विपक्ष साफ महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान बीजेपी इस बात को प्रचारित करती रही कि कांग्रेस देश के अलग-अलग जातियों के नाम पर लड़वाना चाहती है। बीजेपी के हर बड़े नेता ने अपनी चुनावी रैली में इस बात का जिक्र किया कि अगर एक नहीं रहोगे तो इसका फायदा दूसरा उठा लेगा। भाजपा के फायर ब्रांड नेता योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा की तर्ज पर महाराष्ट्र में भी वही नारा दिया कि बंटोगे तो कटोगे। उनका यह दांव महाराष्ट्र में काम कर गया और बीजेपी गठबंधन यानी महायुति को बड़ी जीत हासिल हुई। महाराष्ट्र बनाम झारखंड के लिहाज से योगी जीत बड़ी महाराष्ट्र क्षेत्रफल, आबादी और मतदाताओं के लिहाज से झारखंड से काफी बड़ा राज्य है। 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा के आगे 81 सदस्यीय झारखंड में बीजेपी की चुनौती बेहद कम थी।

## महाराष्ट्र में जो परिणाम आए वो अनपेक्षित हैः उद्धव ठाकरे




## आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

## सुडोकू पहेली क्रमांक- 5429

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 3 | 6 | 9 | | | | | |
| 2 | | | | 8 | | | | 5 |
| | | | 1 | | 6 | 8 | | |
| | 2 | 7 | 4 | | 1 | | 9 | |
| | 1 | | | | | | 4 | |
| | 4 | | 2 | | 8 | 7 | 3 | |
| | | 2 | 8 | | 5 | | | |
| 1 | | | | 3 | | | | 6 |
| | | | | | 9 | 2 | 8 | |

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

## सुडोकू पहेली क्र. 5428

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 6 | 2 | 3 | 1 | 9 | 4 | 8 | 5 |
| 9 | 4 | 3 | 5 | 8 | 6 | 7 | 1 | 2 |
| 5 | 8 | 1 | 7 | 2 | 4 | 6 | 9 | 3 |
| 6 | 3 | 4 | 9 | 7 | 5 | 1 | 2 | 8 |
| 1 | 9 | 7 | 8 | 3 | 2 | 5 | 6 | 4 |
| 2 | 5 | 8 | 4 | 6 | 1 | 3 | 7 | 9 |
| 3 | 2 | 5 | 1 | 9 | 7 | 8 | 4 | 6 |
| 8 | 1 | 9 | 6 | 4 | 3 | 2 | 5 | 7 |
| 4 | 7 | 6 | 2 | 5 | 8 | 9 | 3 | 1 |

## वर्ग पहेली 5429



संकेत: बायें से दायें

1. 27 अगस्त 1976 को जो बेहतरीन समय जब कायनात ने इस प्रसिद्ध पार्श्व गायक को हमसे छीन लिया (3)
4. लिखने वाला, लेखक (3)
7. समझदारक, नायक, आलाप लेने वाला (4)
9. मध्यप्रदेश के अंचलों में से एक जहां लता मंगेशकर की जन्म भूमि है (3)
10. उड़ानहीन पक्षी (4)
12. अपवित्र, अशुद्ध, अशुचि (3)
14. ईश्वर, प्रभु (3)
16. कौआ, किसी को बैठने के लिए बनाया गया एक वस्तु (2)
18. मर्यादा, गौरव, पूर्ण प्रतिष्ठा (2)
19. जालिम, अन्यायी (5)
22. उपहार में देना, तिरस्कार देना (6)
24. कोमल, मुलायम, मृदुल (3)
25. मिलोना, जल्दी करना, मतलबहीन करना, बला में करना (3)

ऊपर से नीचे

1. निरीक्षण, परीक्षण (उर्दू)(4)
2. इस फल को कदरी या कदली भी कहते है (2)
3. शपथ ग्रहण करने वाला, शपथ ग्रहीता, शपथी (5)
4. कात्यायनी देवी का एक नाम, संतोष की एक देव की मूर्ति (3)
5. शरीर पर काले रंग का उभरा हुआ दाग या धब्बा (2)
6. यह रोग पाइल्स भी कहलाता है (4)
8. बीता या आने वाला दिन (2)
11. कम, न्यूनता (2)
13. वह व्यक्ति जिसकी दृष्टि सूर्य पर न पड़े (5)
15. कारण मार्ग (3)
16. गुजरात में स्थित बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक (4)
17. होलिकादहन पर गाया जाने वाला गीत (2)
18. मुखमंडल, चेहरा (3)
20. सहमति प्राप्त करना (3)
21. जाते या फटे हुए कपड़े को तागे से भरकर उसे बराबर करना (2)
23. प्रेमकर्ता, प्रसन्नतादाई (2)

### वर्ग पहेली 5428 का हल

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | बे | रि | का | ■ | तै | रा | ना |
| सी | ला | ■ | बा | ड | क | र | ना |
| क | ■ | अ | प | ना | ■ | क | ■ |
| कु | रू | ■ | ल | द | ना | ■ | ही |
| मा | प | ■ | ट | न | क | ना | ■ |
| र | ख | ■ | ■ | ■ | ■ | ते | अ |
| ■ | सौ | ज | न | बा | ई | ■ | ल |
| ■ | ■ | का | द | बू | र | ■ | ना |

# संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की प्रस्तावना वाचन कर शपथ दिलाई

## प्रियदर्शन सामाजिक संस्था द्वारा 75 वां संविधान दिवस मनाया

**मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** भारतीय संविधान दुनिया का सबसे बडा संविधान है, जिसे तैयार होने में कुल 2 साल 11 महीने और 18 दिन लगे थे। कई देशों के संविधान के अधय्यन करने के बाद भारतीय संविधान को लागू किया गया था। भारत में हर साल 26 नवंबर को भारतीय संविधान दिवस मनाया जाता है। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद मंदसौर विकासखण्डमन्दसौर से चयनित नवांकुर प्रियदर्शन सामाजिक संस्था सेक्टर डिगाव माली के आदर्श ग्राम पिपलिया कराडिया मैं संविधान दिवस के अवसर पर स्कूल प्रांगण एवं उप स्वास्थ्य केंद्र अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ छात्र-छात्राओं व सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया। संविधान की प्रस्तावना न केवल हमारे संविधान के मूल सिद्धांतों और मूल्यों को समझने का अवसर प्रदान करता है, बल्कि हमें एकजुट, समानता, और न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने का भी मौका देता है। इस प्रकार की गतिविधियाँ हमें अपने संवैधानिक कर्तव्यों और अधिकारों के प्रति जागरूक बनाती हैं। इस अवसर पर नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि दिनेश सोलंकी, स्वास्थ्य विभाग संपत कच्छावा, पेरालिगल वालेंटियर उषा सौलंकी, आंगनवाडी कार्यकर्ता आशा कार्यकर्ता, शिक्षक एवं शिक्षिकाएं और स्कूल की छात्र, छात्रा व ग्रामवासी उपस्थित रहें।

# कन्या महाविद्यालय में सांस्कृतिक गतिविधियां सम्पन्न

**मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य डा.पी.एल.पाटीदार ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परम्परा से संबंधित सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें भारतीय ज्ञान परम्परा से संबंधित भाषण, निबंध, पोस्टर एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगितायें युवा उत्सव प्रभारी डा.कविता बुन्देला के निर्देशन में आयोजित की गई जिसमें अनेक विद्यार्थियों द्वारा सहभागिता की गई। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दितिक्षा पंवार, द्वितीय आराधना पाटीदार एवं तृतीय नन्दनी व्यास ,निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आराधना पाटीदार ने प्राप्त किया। निबंध में द्वितीय स्थानअक्षिता तिवारी एवं तृतीय स्थान हंसिका रेकवार, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम नेहा बैरागी, द्वितीय हेमलता, तृतीय आरती ने प्राप्त किया।

# गांधीजी व नेहरुजी की रामराज्य की परिकल्पना के अनुरुप है हमारा संविधान

## संविधान दिवस पर कांग्रेस विधि प्रकोष्ठ का आयोजन सम्पन्न

**मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** कांग्रेस विधि प्रकोष्ठके द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अभिभाषक श्री प्रकाश रातडिया ने कहा कि हमारा संविधान गांधीजी व नेहरूजी के रामराज्य की परिकल्पना के अनुरूप है। इसमें नागरिकों को आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक न्याय का संकल्प है। भारत का स्वरूप लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता व समाजवाद पर आधारित होगा यह उद्घोष है। मूल अधिकार, मूल कर्तव्य एवं राज्य की नीति के निर्देशक तत्व के माध्यम से लोगों के जीवन में नई रोशनी के संचार का यह संविधान माध्यम है। आपने कहा कि अभिभाषकगण संवैधानिक अधिकारों के प्रवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। अभिभाषक संघ के अध्यक्ष श्री रघुवीरसिंह पंवार ने कहा कि भारत का संविधान गौरवपूर्ण है। इसका पालन सबका कर्तव्य है।

वरिष्ठ अभिभाषकगण श्री मोहनसिंह चौहान, श्री मदनलाल शर्मा, श्री मंगेश भाचावत, श्री कांतिलाल राठौर, श्री रमेशचन्द्र बुंदीवाल ने अपने विचार रखे। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. राघवेन्द्रसिंह तोमर, विधि प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री के.के.सिंह भाटी ने स्वागत किया। संचालन विधि प्रकोष्ठके स्थानीय अध्यक्ष श्री मुकेश रत्नावत ने किया व आभार प्रदर्शन श्री पंकज जोशी ने माना।

# पीएम कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस मंदसौर में संविधान दिवस मनाया

**मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर के प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता ने बताया कि राजनीति विज्ञान विभाग एवं एन.एस.एस. इकाई के संयुक्त तत्वावधान में 'हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान, विषय पर विशिष्टव्याख्यान एवं संविधान की उद्देशिका का वाचन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य वक्ता एवं अतिथियों द्वारा दीप–दीपन, सरस्वती पूजन एवं संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडर के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य व्यक्ता डॉ. रवींद्र कुमार सोहोनी (पूर्व प्राचार्य एवं राजनीतिविज्ञान विभागाध्यक्ष) ने विद्यार्थियों को संविधान की उद्देशिका का वाचन कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को लोकतंत्र के तीन स्तंभ स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व से परिचित कराया। उन्होंने संविधान निर्माण एवं उसके इतिहास के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि विश्व के सभी देशों के संविधान के अध्ययन के पश्चात मुझे भारतीय संविधान की प्रस्तावना से सुंदर प्रस्तावना किसी अन्य देश के संविधान में नहीं दिखी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी ने कहा कि भारतीय संविधान के कारण ही भारत विश्व का सबसे बडा लोकतांत्रिक देश है। आज के ही दिन सन 1949 में संविधान का निर्माण पूर्ण हुआ था। कार्यक्रम का संचालन एन.एस.एस. स्वयंसेवक सुधांशु भावसार एवं प्रखर दुबे द्वारा किया गया एवं आभार राजनीतिविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. संतोष सिंह मालवीय ने माना। इस अवसर पर डॉ. राजेश सकवार, डॉ. वीणा सिंह, प्रो. दशरथ आर्य, डॉ. अनिल कुमार आर्य, प्रो. संदीप सोनगरा, प्रो. सिद्धार्थ बरोडा, प्रो. भारत सिंह कलेश, प्रो. आभा मेघवाल, प्रो. सोहनलाल यादव, प्रो. प्रहलाद भट्ट, प्रो. संजय पंवार, डॉ. शिवकुमार पाण्डेय समेत महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

# शालाओं की भूमि पर अवैध अतिक्रमण चिन्हित कर सूची प्रस्तुत करें-चंद्रा

**नीमच, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** जिले की सभी शासकीय शालाओं की भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण चिन्हित कर डी.पी.सी. एवं जिला शिक्षा अधिकारी सूची प्रस्तुत करें। जिससे, कि शालाओं की जमीन को अतिक्रमण मुक्त करवाने की कार्यवाही की जा सके। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई में एक आवेदक द्वारा स्कूल भूमि से अतिक्रमण हटाने संबंधी आवेदन पर कार्यवाही करते हुए डीपीसी एवं जिला शिक्षा अधिकारी नीमच को दिए। जनसुनवाई में कुल 137 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए, जिस पर कार्यवाही करने के निर्देश कलेक्टर द्वारा संबंधित अधिकारियों को दिए।

जनसुनवाई में सुवाखेडा के ग्रामीणों द्वारा कृषकों की कृषि भूमि पर आने जाने वाले शासकीय रास्ते को खुलवाने, मजिरिया के मांगीलाल माली ने अपने मकान पर आने जाने वाले आम रास्तों को रोकने वालों के विरूद्ध कार्यवाही कर रास्ता खुलवाने, धोकलखेडा की सुखीबाई जाट ने कुचडौद की खसरा नम्बर 47/2 की 0.46 हैक्टेयर भूमि का विक्रय पत्र पर नामांतरण स्वीकृत होने के बाद भी अमल नहीं होने संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। इस पर कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए, कि जनसुनवाई में प्राप्त राजस्व संबंधी सभी आवेदनों पर प्रकरण दर्ज कर तत्काल कार्यवाही करना सुनिश्चित करें और की गई कार्यवाही से आवेदकों को भी अवगत करवाएं। जनसुनवाई में ग्राम भाटखेडा के कन्हैयालाल, लसुडी के पर्वत सिह, मनासा की रामकन्या , डायली की बदामबाई, गुंजालिया के गोपाल, नीमच के भारतराम, नीमच की पार्वतीबाई, नई आबादी दारू के दिलीप पुरोहित, रतनगढ की रूकमणीबाई, पालसोडा के दशरथ, अरनिया बोराना के बाबुलाल, जावद के अमृतदास, सिगोंली के ओमप्रकाश, नीमच की रजनी, नीमच सिटी की किरणदेवी, नीमच की सुमित्रा, इंदिरा नगर नीमच की ललीता बाई आदि ने भी अपनी समस्यानओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

### कलेक्टर ने जनसुनवाई में 137 आवेदकों की सुनी समस्याएं

### कलेक्टर हिमांशु चंद्रा की पहल...

# जनसुनवाई में नि:शुल्क आवेदन लिखने की व्यवस्था की

**नीमच, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा जनसुनवाई में आने वाले आवेदकों की समस्याओं से संबंधित आवेदन पत्र लिखने के लिए जनसुनवाई कक्ष के बाहर (कलेक्ट्रेट नीमच) में ही आवेदकों के आवेदन लिखने की नि:शुल्क व्यवस्था कर दी गई है। आवेदन लिखने के कार्य में पांच स्कूली विद्यार्थी को तैनात किया गया है। जिससे इन विद्यार्थियों को भी जनसमस्यों से संबंधित आवेदन पत्र लिखने, सीखने का अवसर मिल रहा है। साथ ही गरीब आवेदकों को अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन लिखने की नि:शुल्क सुविधा भी मिलने लगी है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा की गई इस नई पहल की जनसुनवाई में मंगलवार को आए आवेदकों ने सराहना करते हुए काफी लाभदायक बताया है। आवेदकों ने इसके लिए कलेक्टर को धन्यकवाद भी दिया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया, कि मंगलवार को नीमच शहर के पांच शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को आवेदन लिखने के लिए लगाया है। वहीं आगामी दिनों में इच्छुक अन्य शालाओं के विद्यार्थियों की सेवाए भी इस कार्य के लिए ली जा सकेगी। अब जनसुनवाई में आने वाले आवेदकों को अपनी समस्याओं से संबंधी आवेदन लिखवाने के लिए कोई खर्च नहीं करना पडेगा, उन्हें कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई कक्ष के बाहर ही यह नि:शुल्क सुविधा उपलब्ध हो गई है।

# खेलों एमपी यूथ गेम्स-2024 नीमच ब्लॉक चयन ट्रायल

**नीमच, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** संचालनालय खेल और युवा कल्याण विभाग भोपाल के निर्देषानुसार नवम्बर एवं दिसम्बर 2024 में खेलों एम.पी.यूथ गेम्स-2024 का आयोजन किया जाना है।आयोजन में 19 वर्ष से कम आयु समूह के बालक व बालिका( 31 दिसम्बर 2024 की स्थिति मे सम्मिलित हो सकेंगें। उक्त आयोजन मे 19 खेल व्हालीबॉल, फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो, बास्केटबॉल, हॉकी, क्रिकेट (लेदर बॉल) , एथलेटिक्स, कुश्ती, बैडमिन्टन, बॉक्सिंग, जूडो, मलखम्ब, टेनिस, वेटलिफ्टिंग, टेबल टेनिस, योगासन, तैराकी, षतरंज का चयन किया गया हैतथा 06 खेल सीधे राज्य स्तर पर सहभागिता करेंगें। ताईक्वांडो, फैंसिंग, रौइंग, क्याकिंग- कैनोइंग, घुटिंग एवं आर्चरी । जिला खेल अधिकारी श्री मुकुल जॉय बेंजामिन द्वारा बताया गया की ब्लॉक स्तर पर सभी 19 खेलोंका चयन ट्रायल रखा गया है । एवं जिले पर सभी खेल आयोजित किये जावेंगें । नीमच ब्लॉक स्तरीय चयन ट्रायल दिनांक 29 से 30 नवम्बर 2024 को प्रात: 10 बजे से निम्न दिनांक एवं स्थानों पर आयोजित किये जाऐंगें अधिक जानकारी हेतु ब्लॉक आयोजन प्रभारी श्री दिपक कुमावत मोबाई नं.9630370985 पर सम्पर्क किया जा सकता है:- दिनांक 29.11.2024 को होने वाले चयन ट्रायल खेल एवं स्थान:-1 फुटबॉल राजेन्द्र प्रसाद स्टेडियम नीमच, 2 बास्केटबॉल शासकीय उ.मा.विद्यालय क्र.02 नीमच, 3 हॉकी सी.एम. राईज स्कूल नीमच, 4 ऐथलेटिक्स शासकीय उ.मा.विद्यालय क्र.02 नीमच, 5 बेडमिन्टन टाउन हॉल नीमच, 6 क्रिकेट(लेदर बॉल)षासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नीमच, 7 मलखम्ब शासकीय उ.मा.विद्यालय क्र.02 नीमच,8 टेनिस षासकीय उ.मा.विद्यालय क्र.02 नीमच, 9 टेबल टेनिस तरण ताल दषहरा मैदान के पास, 10 शतरंज शासकीय उ.मा. विद्यालय क्र.02 नीमच।

**दिनांक 30.11.2024 को होने वाले चयन ट्रायल खेल एवं स्थान:-** 11 व्हॉलबॉल 12 कबड्डी, 13 खो-खो, 14 कुष्ती, 15 जूडो, 16 वेटलिफटिंग, 17 योगासन, 18 बॉक्सिंग उपरोक्त समस्त खेलों का ट्रायल षासकीय उ.मा.विद्यालय क्र.02 नीमच, रहेगा। **चयन ट्रायल हेतु निर्देश:-** ब्लॉक नीमच मे भाग लेने वाले बालक/बालिकाओं निम्न लिंक पर अपना ऑन लाईन आवेदन भरना अनिवार्य है। अत: खिलाड़ियों से अपिल है की ज्यादा से ज्यादा संख्या मे ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन करवाकर अवसर का लाभा लेवें। ट्रायल हेतु आनेवाले प्रतिभागियों को आने जाने का किराया स्वयं वहन करना होगा। अधिक जानकारी के लिये श्री दिपक कुमावत मोबाई नं.9630370985 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

# अजाक्स द्वारा संविधान दिवस मनाया

**मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** मप्र अजाक्स संगठन जिला मंदसौर द्वारा

26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर संविधान और सामाजिक न्याय विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें सर्वप्रथम संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ बी आर अंबेडकर के तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया, और उपस्थित सदस्यों ने परिचर्चा में भाग लिया। अजाक्स जिला अध्यक्ष प्रहलाद कुमार सूर्यवंशी द्वारा संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया, और बताया गया कि संविधान ही सामाजिक न्याय की आधारशिला हैं, लोकतंत्र का आधार हैं, संविधान और सामाजिक न्याय एक दूसरे से गहराई से जुडे हुए हैं। भारतीय संविधान का मुख्य उद्देश्य एक समतामूलक समाज की स्थापना करना है, जिसमें हर व्यक्ति को समान अधिकार मिले और समाज में व्याप्त असमानताओं को समाप्त किया जा सके।उपस्थित सभी सदस्यो ने अपने विचार व्यक्त किये,तथा संविधान निर्माता बाबा साहब द्वारा राष्ट्र दिये गये योगदान को याद किया। इस अवसर पर अजाक्स के संभागीय उपाध्यक्ष जमनाप्रसाद अहिरवार, अजाक्स जिला अध्यक्ष प्रहलाद कुमार सूर्यवंशी, जिला सचिव मनोज धानिया, जिला सचिव मुकेश कोठे , मल्हारगढ ब्लॉक अध्यक्ष राजेंद्र चौहान,ब्लॉक संरक्षक अनिल दाहिमा, गोरधनलाल परमार, अर्जुनसिंह सूर्यवंशी, राधेश्याम रायकवार, गोविंदराम गेहलोत , चेनसिंह जमरा,संजय मालवीय आदि सदस्यगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का आभार जिला सचिव मनोज कुमार धानिया द्वारा व्यक्त किया।

# विधि महाविद्यालय मंदसौर में संविधान दिवस मनाया

**मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** श्री नेहरू युवा केन्द्र, श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय मंदसौर व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर के संयुक्त तत्वाधान में संविधान दिवस का आयोजन 26 नवम्बर को विधि महाविद्यालय में मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर सचिव श्री सिद्धार्थ तिवारी, विशेष अतिथि पूर्व न्यायाधीश एवं श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय ट्रस्ट सचिव श्री रघुवीर सिंह चुण्डावत, आमंत्रित अतिथि जिला युवा अधिकारी श्री अभिलाष म्हस्के, सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री दारा सिंह चौधरी, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण पूनिया उपस्थित रहे। वक्ताओं ने संविधान के विभिन्न प्रावधानों से विद्यार्थीयों को अवगत करवाया। श्री सिद्धार्थ तिवारी ने विद्यार्थियों को संविधान की शपथ दिलाई। इस अवसर पर महाविद्यालय द्वारा तात्कालिक भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जिसमें विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। स्वागत भाषण प्राचार्य श्री विनोद पाटीदार द्वारा दिया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन छात्रा कु. रानु गुर्जर द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन डॉ. राजेश कौशिक द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सदस्य श्री प्रो. प्रवीण चौधरी, प्रो. चंचल शर्मा, प्रो. ईश्वर प्रजापति, प्रो. बहादुर डावर, प्रो. सीमा श्रीमाल, श्री दिपक बैरागी, श्री कुलदीप वर्मा, सुश्री चेतना धनगर एवं नेहरू युवा केन्द्र के स्वयंसेवक आनंद फुलोद एवं रौनक शर्मा भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय में बडी संख्या में विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

**विधि महाविद्यालय में परिचर्चा का आयोजन सम्पन्न-** प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री कपिल मेहता के निर्देशन में दिनांक 26 नवंबर 2024 को संविधान दिवस के अवसर पर जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय मंदसौर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूवात की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री सिद्धार्थ तिवारी

मंदसौर के रूप में उपस्थित रहे। विशेष अतिथि श्री रघुवीर सिंह जी चुण्डावत पूर्व न्यायधीश एवं सचिव श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय ट्रस्ट, आमंत्रित अतिथि श्री अभिलाष म्हस्के जिला युवा अधिकारी, सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री दारा सिंह चौधरी, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण जी पूनिया उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने संविधान के विभिन्न प्रावधानों से विद्यार्थीयों को अवगत करवाया। श्री सिद्धार्थ तिवारी ने विद्याथीयों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन करवाया। इस अवसर एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भी किया , जिसमें विजेता विद्यार्थीयों को पुरस्कृत किया। स्वागत भाषण प्राचार्य श्री विनोद जी पाटीदार द्वारा दिया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन छात्रा कु. रानु गुर्जर द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन डॉ. राजेश कौशिक द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सदस्य श्री प्रो. प्रवीण चौधरी, प्रो. चंचल शर्मा, प्रो. ईश्वर प्रजापति, प्रो. बहादुर डावर, प्रो. सीमा श्रीमाल, श्री दिपक बैरागी, श्री कुलदीप वर्मा, सुश्री चेतना धनगर एवं नेहरू युवा केन्द्र के स्वयंसेवक आनंद फुलोद एवं रोनक शर्मा भी उपस्थित ।

# संरक्षण में दम तोड़ता बचपन...

**मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** मध्यप्रदेश के इंदौर का युगपुरुष धाम आश्रम चर्चा में तब आया था जब इसी वर्ष जून में एक के बाद एक दस बच्चो की मौत हो गई थी। इस घटनाक्रम ने प्रदेश के साथ पूरे सरकारी तंत्र में हड़कंप मचा दिया था। हालांकि प्रशासनिक जांच में आश्रम पर किसी तरह की सख्त कार्यवाही नही की गई। अभी एक बच्ची की और मौत होने से एक बार फिर आश्रम चर्चा में आ गया है। यदि हम देखे तो पूरे देश में ऐसे कई छात्रावास व आश्रयग्रह है जो असुरक्षा के केंद्र बन गए है। माता पिता के बाद आचार्य नामक संस्था पर विश्वास्व किया यहां भी शोषण का शिकार हो तो शिकायत किससे करे ? जो छत और दीवारें सुरक्षा का विश्वास दिलाती है वही उन पर भरभराकर गिरे तो वे रहने कहा जाए ? आश्रयग्रह और छात्रावास कारावास से भी गए गुजरे हो तो कठघरे में पूरी व्यवस्था खडी होती है। किसी भी सरकार का पहला दायित्व कमजोर व असुरक्षित वर्ग को संरक्षण देना है। बेघर बच्चो से ज्यादा कमजोर और असुरक्षित भला कौन हो सकता है ? नेल्सन मंडेला ने एक बार कहा था कि हम यह देखकर किसी समाज की आत्मा की पहचान कर सकते है कि वह अपने बच्चो के साथ केसा व्यवहार करता है। जब कोई समाज अपने बच्चो को उचित संरक्षण व परवरिश देने में नाकाम हो और इसके स्थान पर उसका शोषण होता हो तो उस समाज के बारे में क्या कहा जा सकता है। आज हमारे समाज का भी इतना राजनीतीकरण हो गया है कि जब किसी ऐसे समुदाय या जाती के लोगो के साथ कोई घटना होती है जो राजनीतिक रूप से असरदार या महत्वपूर्ण हो तो हम उसका संज्ञान लेते है। इन बेघर अनाथ बच्चो का किसी जाति समुदाय से कोई वास्ता नही होता सो इनकी परवाह कौन करे। हम दोहरे मापदंडो को लेकर जी रहे है अपने बच्चो के लिए कुछ और तथा दूसरे बच्चो के लिए कुछ और। बच्चो के साथ ऐसे छात्रावासो या आश्रयग्रहो में यौन शोषण के मामले भी कई बार हमारे सामने आ चुके है। समाज का किस प्रकार से चारित्रिक पतन हो चुका है यह इसकी बानगी है। हालात यह है कि अंचल के अनेक छात्रावास बदइंतजामी के कारण बच्चो के लिए परेशानी का सबब बने हुए है। कहीं चारदीवारी नही है तो कही सीसी टीवी कैमरे नही लगे। भोजन की गुणवत्ता को लेकर तो शिकायत आम है। जब कोई हादसा होता है तो राजधानी से लेकर तहसील तक भूचाल आता है। नेता अफसर मुस्तैदी और प्रतिबद्धता दिखाने के लिए मैदान में उतरते है लेकिन उसके पहले उनकी सारी कर्त्तव्यपरायणता कुंभकर्णी निंद्रा में होती है। सरकारी छात्रावास सरकारी प्रमाद के शिकार है तो स्वयंसेवी संगठनो द्वारा चलाए जा रहे है आश्रयग्रह अनुदान की खैरात खा रहे है। वहां पर रह रहे बच्चो का भविष्य भले अंधेरे में हो संचालको का भविष्य उज्वल है। उनके झोपडे महलो में तब्दील हो रहे है। उनका रसूख सत्ता के गलियारो तक पहुंच रहा है। अपेक्षा है कि प्रशासन बाल अधिकारो के संरक्षण को लेकर अधिक सजग बने। समाज को भी जिम्मेदारी निभानी होगी यदि समाज इन बेघर अनाथ बच्चो की परवरिश मे रुचि दिखाए तो सरकारे भी ऐसा करने के लिए मजबूर होगी।

**पत्र संपादक के नाम**
**संपादक की सहमति आवश्यक नहीं**

**गौरव सोनी, मंदसौर**

## मंदसौर मंडी भाव

| उपज | आवक बोरी में | न्यूनतम | अधिकतम |
|---|---|---|---|
| मक्का | 151 | 2285 | 2446 |
| उडद | 66 | 5260 | 6299 |
| सोयाबीन | 6500 | 3811 | 4385 |
| गैहु | 1765 | 2700 | 3048 |
| चना | 383 | 5450 | 6540 |
| मसुर | 90 | 5440 | 6200 |
| धनिया | 300 | 6000 | 7290 |
| लहसुन | 12000 | 15000 | 29500 |
| मैथी | 810 | 4700 | 5925 |
| मुंगफली | 7800 | 3800 | 5300 |
| अलसी | 2985 | 5600 | 6050 |
| सरसो | 189 | 5450 | 5960 |
| तारामीरा | 2 | 4380 | 4421 |
| इसबगोल | 105 | 10000 | 13200 |
| प्याज | 19000 | 1000 | 3600 |
| कलोंजी | 8 | 14521 | 16300 |
| तुलसी बीज | 7 | 17200 | 20000 |
| डॉलर | 34 | 7900 | 13000 |
| तिल्ली | 39 | 9061 | 12521 |
| जौ | 37 | 2414 | 2466 |
| मटरसुखी | 5 | 4800 | 6002 |
| असालीया | 3 | 12000 | 12500 |
| चियाबीज | 29 | 13000 | 16000 |


कार्यालय :- **नवीन कुमार निमावत**, एडवोकेट
जवाहर मार्ग, जावद, जिला-नीमच (म.प्र.) मो.नं. 9425033929, 9806883929

**** जाहिर सूचना ****

बनाम :- सर्व साधारण

इस जाहीर सूचना के द्वारा सर्व साधारण एवं संबंधित पक्षकारान को सूचित किया जाता हैं कि मेरे व्यवहारी ने श्री तुलसीराम पिता भुरा जी जाति धाकड़, निवासी ग्राम सेगवा, तहसील जावद, जिला नीमच (म.प्र.) के स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि प.ह.नं. 19, ग्राम सेगवा, तहसील जावद, में स्थित कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 409/2 रकबा 0.250 हें. भूमि जिसकी चतुरसीमा उत्तर में - सर्वे क्रमांक 410 की भूमि, दक्षिण में - सर्वे क्रमांक 408 की भूमि, पूर्व में - सर्वे क्रमांक 408 की भूमि, पश्चिम में - सर्वे क्रमांक 408 व 409/1 की भूमि स्थित हैं की भूमि को मेरे पक्षकार ने खाते-खसरो में वर्णित भूमिस्वामी से क्रय करने का मौखिक अनुबंध किया हैं। मौखिक अनुबंध अनुसार मेरा व्यवहारी उक्त क्रय की जा रही सम्पत्ति के विक्रय धन का प्रतिफल विक्रेता को अदा कर विक्रय पत्र का पंजीयन करायेगा।

उक्त सम्पत्ति पर किसी भी व्यक्ति या संस्था का किसी भी प्रकार का कोई रहन, बय, दान, कब्जा व ऋण भार नहीं होने संबंधी विक्रेता द्वारा बताया गया हैं। उक्त सम्पत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन मेरे व्यवहारी के पक्ष में विक्रय धन राशि मेरे व्यवहारी द्वारा विक्रेता को अदा कर उप पंजीयक कार्यालय जावद में विक्रय पत्र का पंजीयन करवाया जायेगा जिस किसी व्यक्ति, संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज साक्ष्य के सात दिवस में कार्यालयीन समय में मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। पंजीयन के बाद किसी भी प्रकार की आपत्ति पेश की जाती हैं तो मेरे व्यवहारी के मुकाबले व्यर्थ एवं प्रभावशून्य होगी जो सभी पक्षो पर बंधनकारी होगी।

भवदीय
नवीन कुमार निमावत, एडवोकेट, जावद

दिनांक:- 26.11.2024

# धुंधड़का सहकारी संस्था में प्रशासनिक बदलाव: नंदकिशोर पपोडिया हटाए गए

## राधेश्याम जोशी को कैडर प्रबंधक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया

**मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. घुधडका में महत्वपूर्ण प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। संस्था प्रबंधक नंदकिशोर पपोडिया (धाकड़) को उनके पद से हटाकर कार्यालय में अटैच कर दिया गया है। यह कदम संस्था की कार्यप्रणाली को सुचारु बनाने और प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से उठाया गया है। संस्था के आदेश (पत्र क्रमांक 2024/42, दिनांक 19.11.2024) के तहत दलौदा शाखा के प्रभारी पर्यवेक्षक राधेश्याम जोशी को घुधडका सहकारी संस्था के प्रबंधक पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। श्री जोशी को तत्काल प्रभाव से कार्यभार ग्रहण कर इसकी सूचना प्रधान कार्यालय को देने के निर्देश दिए गए हैं।

नेमीचंद राठौर

**आय से अधिक संपत्ति मामले में विवादों में रहे नंदकिशोर पपोडिया–** पिछले कुछ वर्षों में नंदकिशोर पपोडिया विवादों में घिरे रहे हैं। 27 फरवरी 2021 में लोकायुक्त की कार्रवाई में उनके निवास से आय से अधिक संपत्ति के कई दस्तावेज और नकदी जब्त की गई थी। जांच में पाया गया था कि उन्होंने शून्य प्रतिशत ब्याज वाली योजनाओं का दुरुपयोग कर अपने परिजनों के नाम पर कर्ज लेकर उंची ब्याज दरों पर पैसा चलाया। उनके पास से लगभग 3 करोड रुपये की संपत्ति के दस्तावेज, 3 लाख रुपये नकद, 15 लाख के पोस्टडेटेड चेक, और सोना-चांदी सहित कई अन्य कीमती सामान बरामद किए गए थे। इसके बावजूद, उनकी संदिग्ध गतिविधियों और दोषी पाए जाने के बाद भी उन पर उच्चस्तरीय राजनितिक रसूख के चलते कडी कार्रवाई नहीं की गई, जो प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाती रही।

**प्रबंधन में बदलाव की वजह–** पपोडिया की विवादास्पद छवि और संगठन में प्रशासनिक भारी गडबडियों को देखते हुए, वरिष्ठ अधिकारियों ने उनके स्थान पर राधेश्याम जोशी को नियुक्त किया है। यह निर्णय संस्था की साख और कार्यक्षमता बहाल करने के उद्देश्य से लिया गया है।

**नए प्रबंधक से उम्मीदें–** संस्था के कर्मचारियों और किसानों को उम्मीद है कि राधेश्याम जोशी के नेतृत्व में संस्था की कार्यप्रणाली में सुधार आएगा। साथ ही, प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी।

# चाइनीस नायलॉन से बने मांझे का व्यापार करने वालों पर हो सख्त कार्यवाही-ग्राहक पंचायत

**मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत जिला मंदसौर ने आज चाइना द्वारा निर्मित नाइलोन के मांझे बेचने वालों पर सख्ती से रोक लगाने के लिए एक ज्ञापन प्रभारी डिप्टी कलेक्टर स्वाति तिवारी को दिया। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के जिला अध्यक्ष नवनीत शर्मा ने बताया कि नगर में मकर संक्रन्ति का पर्व नजदीक है ऐसे में बच्चों व आम नागरिकों द्वारा यह त्योहार हर्सोल्लास के साथ मनाया जाता है ओर काफी मात्रा में पतंगें उडाई जाती है। वर्तमान में जो पतंग उडाने में जो मांझे का उपयोग किया जा रहा है वो चाइना द्वारा नायलॉन से बने डोर द्वारा किया जा रहा है जिससे देश को आर्थिक नुकसान तो उठाना ही पड रहा है साथ ही आमजन व बच्चो को भी काफी नुकसान उठाना पड रहा है। चाइना द्वारा निर्मित मांझे में नाइलोन की मात्रा अधिक होती है और कुछ हानिकारक रसायनों की भी भरपूर मात्रा होती हैं। उक्त चाइनीस मंझा न तो गलता है और न ही इसे आसानी से नष्ट किया जा सकता है। तोड़ने पर भी इसे आसानी से नहीं तोडा जा सकता है। बच्चों व बडो द्वारा इसका उपयोग करने पर गहरे जख्म हो जाते है यहा तक कि पशु पक्षि भी नहीं बच पा रहे हैं। पिछले कुछ समय मे ऐसी कई घटनाएं हुई हैं इसमें कइयो को तो मौत का भी सामना करना पडा है। NGT द्वारा भी इस पर सख्त रोक लगाई गई है परन्तु इसके बावजूद भी कुछ व्यापारियों द्वारा नायलॉन निर्मित मांझे पर प्रतिबंध होने के बाद भी धडल्ले से बेचा जा रहा है। जो कि नियमानुसार सही नहीं है और न ही प्रकृति के लिए सही है। चंद रुपयों की लालच में कुछ व्यापारी प्रतिबंधित नायलॉन मांझे बेचने से बाज नही आ रहे। इस प्रेस नोट के माध्यम से ग्राहक पंचायत सभी व्यापारीगण से निवेदन करता है कि कृपया मानव व पशु पक्षी हित में आप इस प्रकार के मांझे को क्रय

न करे ओर अगर आप क्रय करेंगे तो प्रशासन व ग्राहक पंचायत अगर आपके यहाँ छापा मार कार्यवाही करे तो फिर यह मत कहना कि हमारा नुकसान हो गया। क्योंकि प्रत्येक वर्ष ग्राहक पंचायत जिला प्रशासन को ज्ञापन देता है और इस मामले पर कार्यवाही करने का निवेदन करता हैं

अत: अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत आपसे यह मांग करती है कि समय पूर्व ही नगर में बिकने वाले चाइनीस नायलॉन माँझो पर सख्ती से रोक लगाई जाए और जो व्यापारी यह चाइनीस माझा बेचता है उस पर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाए ताकि मानव, पशु पक्षी व पर्यावरण की रक्षा की जा सके। और यदि फिर भी जो व्यापारी नही मानते है उनपर प्रकरण दर्ज किये जाये। साथ ही ग्राहक पंचायत द्वारा आम नागरिकों, व्यापारियों से भी अनुरोध करती है कि वे भी चाइना द्वारा निर्मित नायलॉन मांझे का बहिष्कार करे। इस अवसर पर ग्राहक पंचायत के जिला अध्यक्ष नवनीत शर्मा, जिला अभ्यास मण्डल प्रमुख उमरावसिंह जैन, जिला उपाध्यक्ष रंजीत जायसवाल, विजय परदेशी, नगर अध्यक्ष सुनील ठाकुर, शुभम भाटी, दुर्गेश पालीवाल सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

## समाज में जेंडर समानता के लिए सभी जनपद पंचायतों में लोक अधिकार केंद्रो का शुभारंभ

**मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक द्वारा जानकारी दी गई कि, विश्व हिंसा उन्मूलन दिवस के उपलक्ष्य में मध्य प्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से महिला सशक्तिकरण और समाज मे जेंडर समानता लाने के लिए जनपद पंचायत मंदसौर, मल्हारगढ, सीतामऊ गरोठ एवं भानपुरा में जनप्रतिनिधियों के माध्यम से लोक अधिकार केंद्रो का उद्घाटन किया गया। लोक अधिकार केंद्रो पर महिला अधिकारों से जुडी जानकारी प्रदाय की जावेगी। महिलाओ द्वारा महिला हिंसा और महिला अधिकारों की सुरक्षा के लिए काम करना, जेंडर भेदभाव, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न और महिला अधिकारों से जुडी जानकारी के साथ सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदाय की जावेगी एवं महिलाओं की समस्या का समाधान किया जावेगा। लोक अधिकार केंद्र जनपद पंचायत मे प्रति मंगलवार एवं शुक्रवार को प्रात: 11:00 से शाम 4:00 बजे तक खुले रहेंगे।

# शिवसेना ने जन हितैषी मांगों को लेकर रैली निकाली, दिया ज्ञापन

**मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** शिवसेना युबीटी के नेतृत्व मे जिले की मल्हारगढ विधानसभा के पिपलियामंडी में पिपलिया मंडी चौपाटी फोर लाइन चौराहे पर यात्री प्रतीक्षालय, सुविधाघर, अयोध्या बस्ती में मांगलिक भवन की मांग को लेकर शिवसेना आघाडी भवानी सेना जिला प्रमुख श्रीमति श्यामादेवी नायक के नेतृत्व में हजारों मातृशक्ति, शिवसेनिको ने रैली निकालकर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन तहसीलदार को सौपा गया।

आयोजन मे मुख्यरूप से शिवसेना राज्य प्रमुख सुनील शर्मा, शिवसेना कार्यकारी राज्य प्रमुख नाहहरसिंह गौड, शिवसेना उपराज्य प्रमुख रघुवीर दास बैरागी, शिवसेना उपराज्य प्रमुख भगत राम नायक शामिल हुए। महिला अज्ञाडी सैना के नेत्त्व मे मुख्य अतिथियों के स्वागत मे अयोध्या बस्ती शीतला माता मंदिर से ढोल ढमाकों डीजे के साथ जय भवानी, जय शिवाजी, उद्धव साहब आगे बढो हम तुम्हारे साथ हैं ऐसे नारो के साथ टीला खेडा बालाजी शिवाजी चौक होते हुए गांधी चौराहे पर रैली पहुंची जहां रैली सभा के रूप में परिवर्तित हुई। मुख्य अतिथियों का स्वागत पुष्पमाला गुलदस्ता साफा बांधकर अभिनंदन किया गया। मंच पर शिवसेना कार्यकारी राज्य प्रमुख नाहर सिंह गौड ने अपने उद्बोधन में कहा हम कल भी उद्धव साहब ठाकरे के साथ थे और आज भी उद्धव बालासाहेब ठाकरे के साथ हैं और कल भी उद्धव साहब ठाकरे के साथ रहेंगे। शिवसेना राज्य प्रमुख सुनील शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा पूर्व मैंने दबंगो लालाओं व कंजरो से लोहा लिया है, कई बार कंजरो और हमारे बीच आमने-सामने हुए, मैदान छोडकर भागना पडा और मैंने कई सामाजिक धार्मिक रचनात्मक कार्य किए हैं और कर रहा हूँ, वर्तमान में तीतरोद गांव में गौ माता की सेवा कर रहा हूं जहां पर सैकडो गोवंश आज जनसहयोग से समिति बनाकर गौ माता अपना सुखद जीवन व्यतीत कर रही है शासन की तरफ से अभी कोई अनुदान नहीं मिल रहा है सिर्फ जन सहयोग से ही गो माता कि सेवा की जा रही हे शिवसेना उपराज्य प्रमुख भगत रामजी नायक ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा हिंदू हृदय सम्राट बाला साहेब ठाकरे के हम शिव सैनिक हैं और उनको अपना आदर्श मानकर आज भी हम शिवसेना में कार्य कर रहे हैं कार्यक्रम समाप्ति के बाद नायब तहसीलदार को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन का वचन शिवसेना कार्यकारी राज्य प्रमुख नाहर सिंह गौड ने किया इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में मातृ शक्ति ने शिव सैनिक पदाधिकारीयो ने बढ-चढकर भाग लिया।

## आज पशुपतिनाथ मेला में आज एक शाम भोले के नाम

**मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, मेला सभापति श्रीमती भावना जयप्रकाश पमनानी, सीएमओ सुधीर कुमारसिंह, मेला अधिकारी पी.एस. धारवे ने बताया कि आज दिनांक 27 नवम्बर बुधवार को रात्रि 8.30 बजे से देर रात्रि तक नगरपालिका द्वारा भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मेला के सांस्कृतिक रंगमंच पर एक शाम भोले के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में हर्षिता कडोलिया, शौकीन किर, माया चौहान सहित कई गायक कलाकार भगवान शिव की उपासना के कई भक्ति गीतों की प्रस्तुतियां देंगे। मंदसौर नगर में पहली बार शिव भक्ति के लिये ये तीनों कलाकार आ रहे है। जो देश व प्रदेश में कई मंचों पर अपनी प्रस्तुतियां दे चुके है। नागरिकों से नगरपालिका परिषद आग्रह करती है कि वे इस कार्यक्रम में पधारे।

## कलेक्टर ने सिंचाई परियोजना के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया

**मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने मल्हारगढ सूक्ष्म सिंचाई परियोजना में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने ग्राम अरनिया जटिया में चल रहे पंप हाउस निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उसकी ड्राइंग डिजाइन देखी। खेती में पाइपलाइन बिछाने का कितना कार्य किया गया है। उस संबंध में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिया कि कार्य गुणवत्ता के साथ जल्दी पूरा हो, इसका विशेष तौर पर ध्यान रखें। कार्य जितना जल्दी पूर्ण होगा किसानों को सिंचाई के लिए उतना ही लाभ मिलेगा। इसलिए कार्य में समय का विशिष तौर पर ध्यान रखें। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, मंदसौर एसडीएम, जल संसाधन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, ठेकेदार मौजूद थे।

## कलेक्टर ने शा कमावि मल्हारगढ़ एवं डेफोडिल्स स्कूल नारायणगढ़ का निरीक्षण किया

**मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय मल्हारगढ एवं डेफोडिल्स स्कूल नारायणगढ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यवस्था को देखा। बच्चों से संवाद किया। पढाई के बारे में चर्चा की। स्कूल के बच्चों से प्रश्न भी पूछे। नेशनल अचीवमेंट सर्वे जो कि भारत सरकार के द्वारा किया जा रहा है। सर्वे के संबंध में चर्चा की तथा उसकी तैयारी के बारे में जानकारी ली। नेशनल अचीवमेंट सर्वे भारत सरकार द्वारा प्रत्येक 3 वर्ष में एक बार करवाया जाता है। इससे पूर्व वर्ष 2021 में यह सर्वे हुआ था। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन मौजूद थे।

## कन्या उमावि बालागंज में मनाया संविधान दिवस

**मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** शा कन्या उ मा वि बालागंज मंदसौर के शिक्षकों, शिक्षिकाओं तथा विद्यार्थियों को संविधान की उद्देश्यिका की शपथ प्राचार्य महोदय श्री सुदीप दास जी ने दिलाई और संविधान की विशेषता एवं संविधान रचयिता डा बी आर अम्बेडकर के योगदान को याद किया।

श्री सुधीर कुमार माधुर ने संविधान निर्माण के लिए आवश्यक मसौदे, समितियों का गठन, बैठकों का आयोजन आदि पर प्रकाश डाला, कक्षा 11 वी की छात्रा कुमकुम सौलंकी ने बाबासाहेब आंबेडकर जी के जीवन संघर्ष पर विचार प्रस्तुत किया। इस अवसर पर स्टाफ सदस्यों की ओर से श्री मती प्रीति व्यास ने भारत का राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न अशोक स्तंभ प्राचार्य महोदय को भेट दिया है। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार जीवराज डांगी शिक्षक ने माना।

## कलेक्टर ने जनपद शिक्षा केंद्र मल्हारगढ़ में दिव्यांग बच्चों को प्रशंसा पत्र प्रदान किए

**मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने जनपद शिक्षा केंद्र मल्हारगढ में विश्व दिव्यांगता दिवस के अवसर पर माला पहनकर उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान कलेक्टर ने दौड प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, मेंहदी प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, चेयर रेस प्रतियोगिता में प्रथम आने वाले बच्चों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया। बच्चों के

द्वारा बनाई गई रंगोली को देखा तथा उनकी प्रशंसा की। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन उपस्थित थे।

## सवाई भाट के सुमधुर गीतों ने पशुपतिनाथ मेला के सांस्कृतिक रंगमंच पर समां बांधा

**मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मेला के सांस्कृतिक रंगमंच पर प्रतिदिन रात्रि 8.30 बजे से देर रात्रि तक विविध कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। इन कार्यक्रमों को देखने के लिये श्रोताों की भीड उमड रही है। कल सोमवार की रात्रि को नगरपालिका परिषद मंदसौर के द्वारा सवाई भाटी इण्डियन आइडल फेन नाईट्स का आयोजन किया गया। सवाई भाट ने भगवान पशुपतिनाथ

की महिमा प्रदर्शित करने वाले गीत कैलाश के निवासी, उन्हें नमो बारंबार हो से गीत संगीत के कार्यक्रम की शुरूआत की। उन्होंने फिल्म कच्चे धागे के लोकप्रिय गीत कच्चे धागे प्यार के नहीं तोडना गीत की प्रस्तुति दी जिसे सभी ने सराहा। उन्होने तेरे नाम से मैं जी लू तेरे नाम से मैं मर जाऊ गीत पर भी खूब दाद बटोरी। सवाई भाट ने फिल्म कोयला का मशहूर गीत सांसों की माला में सिमरु पी का नाम गाकर मेले के सांस्कृतिक रंगमंच पर समा बांध दिया। उन्होंने तेरे नैनों ने ऐसा जादू किया गीत पर भी खूब वाहवाही लूटी। सवाई भाट ने छाप तिलक सब छिना, तुझसे नैना मिलाइके गीत की प्रस्तुति दी। जिस पर तालियां गूंज उठी। सवाई भाट के पूर्व उनके साथ आये साथी कलाकार प्रियंका शर्मा, जितेन्द्र शर्मा, ललित बैरागी, ने भी कई लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुतियां दी। डांस ग्रुप के द्वारा गणेश वंदना से कार्यक्रम की शुरूआत की गई और मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। डांस ग्रुप के कलाकारों ने एक्रोबैटिक बैलेंस डांस, पंजाबी डांस, फायर डांस की भी प्रस्तुति दी जिसे सभी ने सराहा। पवन बैरागी (ताल म.प्र.) के मार्गदर्शन में उनके साथ आये कलाकारों ने पशुपतिनाथ मेला में अपनी प्रस्तुतियां से ऐसा समा बांध दिया कि श्रोता उनसे प्रभावित हुए बिना नहीं रह सके।

## नपाध्यक्ष ने डा. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

**मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** संविधान दिवस के उपलक्ष में कल मंगलवार को नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने कैलाश मार्ग स्थित डॉक्टर अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया भारतीय संविधान की रचना में संविधान निर्माता भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के योगदान को स्मिरण करने के लिए यहां माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया, भाजपा उत्तर मंडल के द्वारा आयोजित इस माल्यार्पण कार्यक्रम में भाजपा उत्तर मंडल अध्यक्ष अरविंद सारस्वत महामंत्रीगण राकी यादव, मयंक मावर पूर्व नपा उपाध्यक्ष सुनील जैन महाबली क्षेत्रीय पार्षद सुनीता भावसार पार्षद ईश्वर सिंह चौहान एडव्होनकेट समाजसेवी कन्हैयालाल सोनगरा गोविंद नागदा दीपक बैरागी राजेंद्र कुमार ने भी डॉक्टर अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके योगदान को स्मररण किया।

## श्री न्यायपति तोपवाले बालाजी मंदिर पर महाआरती व अन्नकूट 30 को

**मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कोर्ट परिसर स्थित नगर के प्राचीन एवं चमत्कारी श्री न्यायपति तोपवाले बालाजी मंदिर में 30 नवम्बर, शनिवार को अन्नकूट महोत्सव (महाप्रसादी) का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें हजारों भक्त उपस्थित होकर धर्मलाभ लेंगे।

उक्त जानकारी देते हुए मंदिर समिति ने बताया कि 30 नवम्बर शनिवार को सायं 5.30 बजे भगवान बालाजी की ढोल ढमाकों के साथ महाआरती होगी। उसके पश्चात् सायं 6 बजे से महाप्रसादी का आयोजन होगा। इस दौरान भगवान बालाजी का फूलों से आकर्षक श्रृंगार किया जाएगा एवं मंदिर परिसर को विद्युत सज्जा से विशेष रूप से सजाया जाएगा। मंदिर समिति के जितेन्द्र गेहलोद, सुरेश देवडा, प्रदीप गुप्ता, श्रवण रजवानिया, सुरेश गुप्ता, प्रेम कहार, दुर्गाप्रसाद माथुर, संजय देवडा, रमेश कास्तकार, कृष्णगोपाल शर्मा, विनोद जोशी, मनोहर चौहान, रामलाल रजवानिया, बंशी चुडेलिया, सुरेश राठौर, राजेन्द्र नीमा, विश्वनाथ सोनी, दिलीप देवडा, गोपाल राठौर, पिंकेश कुमावत, सुनील गुप्ता, राहुल सोनी, रामलाल प्रजापत, मनोहर टांक, नवीन सोनी ने भगवान बालाजी के सभी भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में पधारकर महाआरती एवं महाप्रसादी का लाभ लेने की अपील की है। उक्त जानकारी सुरेश देवडा ने दी।

# सर्दी को दृष्टिगत रख रैन बसेरा में आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करे-चन्द्रा

## नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की व्यवस्था करे, कलेक्टर ने दिये निर्देश

**नीमच, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में सर्दी को ध्यान में रखते हुए नगरीय क्षेत्रों में रैन बसेरा में आश्रितों के लिए सभी आवश्यक प्रबंध तत्काल सुनिश्चित किए जाये। नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बस स्टैण्ड, रेल्वे स्टेशन, यात्री प्रतिक्षालयों, अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की व्यवस्था संबंधित निकाय तत्काल करवाये। साथ ही यह भी सुनिश्चित करे, कि रात्री में कोई भी खुले में न सोयें, जरूरतमंदों के आश्रय की माकूल व्यवस्था करे। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जिला अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को दिये। बैठक में ए.डी.एम. श्रीमती लक्ष्मी गामड, जिला पंचायत सी.ई.ओ. अरविंद डामोर, सभी एस.डी.एम. व जिला अधिकारी तथा सी.एम.ओ. उपस्थित थे।**

बैठक में कलेक्टर श्री चन्द्रा ने निर्देश दिए, कि विभिन्न स्वरोजगार मूलक, हितग्राहीमूलक योजनाओं में ऋण स्वीकृति के लिए बैंकों द्वारा वांछित दस्तावेजों की एक चेक लिस्ट तैयार कर विभागों को उपलब्ध करा दी जाये। संबंधित विभाग चैक लिस्ट अनुसार प्रकरणों में दस्तावेजों की पूर्ति करवाकर, बैंकों को प्रकरण प्रस्तुत करेंगे, जिससे कि प्रकरणों की स्वीकृति में अनावश्यक विलंब न हो।

**बिजली के बकाया देयकों का भुगतान करवाए –** बैठक में कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देश दिये, कि वे विद्युत के बकाया देयकों का भुगतान करवाए। देयकों के भुगतान के लिए राशि उपलब्ध है, तो तत्काल भुगतान करे और यदि बजट की आवश्यकता है, तो उसकी मांग कर ले। कलेक्टर ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय निकाय, शिक्षा व आदिम जाति कल्या ण विभाग को पुराने बकाया बिलों का शीघ्र भुगतान करने के निर्देश दिये।

**100 दिवस से अधिक की शिकायतों को निराकृत करवाए –** बैठक में सी.एम. हेल्प लाईन की शिकायतों के निराकरण की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने सभी जिला अधिकारियों को निर्देश दिये, कि वे इस सप्ता ह 100 दिवस या उससे अधिक की लम्बित शिकायतों के निराकरण पर विशेष रूप से फोकस करे और इस सप्ताह 100 दिवस या उससे उम्रर की शत-प्रतिशत शिकायतों को निराकृत कर बंद करवाए। कलेक्टर ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों/समस्याओं का भी प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश सभी जिला अधिकारियों को दिये। कलेक्टर कहा, कि सी.एम. हेल्पलाईन की शिकायतों के निराकरण में अब तक राजस्व, खाद्य, श्रम, कृषि, सामाजिक न्याय विभाग ने बेहतर कार्य किया है। अन्य विभाग भी लम्बित शिकायतों को संतुष्टिके साथ बंद करवाए और अपने विभाग की ग्रेड में सुधार लाए।

## राजस्व महाअभियान के तहत गांवों में विशेष शिविर सम्पन्न

**मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग के मार्गदर्शन में जिले में चलाए जा रहे राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत गांव-गांव में विशेष राजस्व शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में राजस्व अमले द्वारा डोर-टू-डोर सर्वे, खसरा, ई-केवायसी एवं फार्मर आईडी का कार्य भी किया जा रहा है।

ग्रामीणों को राजस्व महाअभियान की जानकारी देकर, खसरा, ई-केवायसी, फार्मरआईडीसे संबंधित कार्य राजस्व अमले द्वारा शिविर में किया गया।


**** नाम परिवर्तन ****

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ड्रायविंग लायसेंस में मेरा नाम साजीद पिता मो. रफीक है एवं आधार कार्ड मोहम्मद साजीद पिता मोहम्मद रज्जाक है जो कि सही है। अतः मुझे आगे से मेरे मोहम्मद साजीद पिता मोहम्मद रज्जाक के नाम से जाना व पहचाना जावें।

पता-मेवातीपुरा, मंदसौर

**** जन्म तारीख परिवर्तन ****

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम आरीफ पिता अलीउद्दीन है। मेरे ड्रायविंग लायसेंस में मेरी जन्म तारीख 05.10.1990 है व पेनकार्ड व आधार कार्ड में मेरी जन्म तारीख 01.10.1992 है जो कि सही है।

पता-माली मोहल्ला, अरनिया निजामुद्दीन, मंदसौर


स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in